www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
16 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 78 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

## 'खतरे में सोनम वांगचुक की जान'

- जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल के बीच दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर–मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को लेकर बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।
इस याचिका में कोर्ट से तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करके सोनम वांगचुक को मेडिकल मदद मुहैया कराने की मांग की गई है। यह जनहित याचिका समाजिक कार्यकर्ता और वकील राकेश सैनी ने दायर की है।
**जबरन खिलाएं खाना**– सैनी ने अपनी याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें जबरन खाना खिलाया जाए। याचिका के अनुसार, सोनम वांगचुक की हालत बिगड़ रही है और भूख हड़ताल पर रहने की वजह से उनका वजन लगभग 8.5 किलोग्राम कम हो गया है। अगर वह भूख हड़ताल जारी रखते हैं तो उनकी जान जा सकती है।

## बदरीनाथ धाम चढ़ावा चोरी में बढ़ा जांच का दायरा, संदेह के घेरे में खजांची समेत चार अन्य लोग

**देहरादून (एजेंसी)।** बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी मामले में कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ रहा है। मुख्य आरोपी के जेल जाने के बाद अब खजांची समेत चार अन्य लोगों को भी जांच प्रभावित होने की आशंका के चलते उनके दायित्वों से हटा दिया गया है। जबकि, हाई पावर कमेटी और मंदिर समिति की जांच समानांतर रूप से जारी है। वहीं, सीएम धामी ने भी मामले में दोषियों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है। बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की गणना और रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी के मामले में जांच अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। मंदिर समिति के तत्कालीन वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के जेल पहुंचने के बाद अब जांच का दायरा और विस्तृत कर दिया गया है। मंदिर समिति के खजांची (कोषपाल) समेत चार अन्य लोगों को भी संदेह के आधार पर उनके वर्तमान दायित्वों से अलग कर दिया गया है। ताकि, जांच निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से आगे बढ़ सके।
संदेह के दायरे में खंजाची समेत चार लोग : हेमंत द्विवेदी ने बताया कि जांच के दौरान बदरीनाथ धाम में चढ़ावे से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे खजांची समेत चार अन्य लोग भी संदेह के दायरे में आए हैं। ऐसे सभी लोगों को उनके वर्तमान दायित्वों से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी को दोषी मानकर नहीं बल्कि, जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

### ममता को एक और झटका

## टीएमसी विधायक मदन मित्रा बागी गुट में शामिल

**कोलकाता (एजेंसी)।** टीएमसी विधायक मदन मित्रा बुधवार को विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के बागी खेमे में शामिल हो गए। मदन को पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। मदन मित्रा जाने के साथ ही पार्टी के अंदर चल रही अनबन और गहरी हो गई है। कमरहाटी के विधायक मित्रा ने घोषणा की कि उन्होंने ममता बनर्जी की टीएमसी के तहत काम करने वाली सभी राष्ट्रीय और राज्य कमेटियों से इस्तीफा दे दिया है। विधायक ने यह भी कहा कि उन्होंने तुरंत प्रभाव से पार्टी के चीफ व्हिप पद से इस्तीफा दे दिया है।
कमरहाटी विधायक ने बागी नेता से मिलने के बाद रिपोर्टर्स से कहा, मैंने सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं। मैं पूरी तरह टीएमसी में हूं। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट के लिए सबसे नया झटका है, जो पिछले कुछ महीनों से पहले कभी नहीं हुए विद्रोह से जूझ रहा है।

### भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील लागू

# सस्ती हो गईं व्हिस्की, रम, वोडका, लग्जरी कारें और ब्यूटी प्रॉडक्ट्स

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और ब्रिटेन के बीच आज बुधवार 15 जुलाई 2026 से व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू हो गया है। इस एग्रीमेंट के लागू होते ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का एक नया दौर भी शुरू हो गया है। इस समझौते से भारतीय निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में बिना शुल्क के पहुंच मिलेगी। इसके साथ-साथ ब्रिटेन से भारत आने वाले कई प्रॉडक्ट पर उत्पाद शुक्ल भी चरणबद्ध तरीके से घटाया जाएगा। इससे कृषि, उद्योग, सेवा सेक्टर, एमएसएमई और पेशेवरों को नए अवसर मिलने की संभावना है।

दोनों देशों के लिए यह डील काफी अहम मानी जा रही है, जो दोनों देशों के व्यापार को एक नई दिशा देने का काम करेगी। भारत में विदेशी कारों और प्रीमियम शराब पर कस्टम ड्यूटी कम लगेगी। जानकारी के मुताबिक यह नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लागू किया जाने वाला छठा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। इससे पहले, भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू किए हैं।

### भारत को फायदा

सभी लेबर–इंटेंसिव सेक्टर जैसे गारमेंट्स, टेक्सटाइल्स, फुटवियर, कारपेट, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, सब्जियां, फल और मसाले, मछली, मीट और प्रोसेस्ड प्रोडक्ट्स अब जीरो ड्यूटी के साथ ब्रिटेन (यूके) मार्केट में आएंगे। अभी, इन चीजों पर ड्यूटी 4 से 16 परसेंट के बीच है। इस समझौते से जिन दूसरे सेक्टर को फायदा होगा, उनमें ऑटोमोबाइल, मोटरसाइकिल और पार्ट्स; मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैब्रिकेटेड मेटल प्रोडक्ट; और सिरेमिक, ग्लास, पत्थर और सीमेंट प्रोडक्ट शामिल हैं. सैल्मन, लैंब, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक, कॉस्मेटिक्स, साबुन, परफ्यूम, शेविंग क्रीम और नेल पॉलिश जैसे ब्रिटिश सामान पर ड्यूटी कम होने से भारतीय बाजार में कीमतों में कमी आ सकती है. भारत ब्रिटेन से सबसे ज्यादा इम्पोर्ट होने वाले आइटम चांदी पर टैरिफ 10 साल में जीरो कर देगा।

### इलेक्ट्रिक गाड़ियों को छठे साल से मिलेगी रियायत

नोटिफिकेशन के मुताबिक पेट्रोल और डीजल गाड़ियों को शुरू से ही छूट मिलेगी, जबकि इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन पैसेंजर कारों को छठे साल से ही खास छूट मिलेगी।

- **ट्रकों पर भी होगी मेहरबानी**– भारत यूके (यूके) में बने और पूरी तरह से बने ट्रकों पर टैरिफ भी कम करेगा। अभी की 44 फीसदी ड्यूटी 5 साल के अंदर 8.8 प्रतिशत हो जाएगी। यह कोटा पहले साल 2,500 ट्रकों से बढ़कर 5 सालों में 3,500 हो जाएगा।
- **अल्कोहल** – इस डील से साइडर, मीड, साके, ब्रांडी, बॉर्बन, रम, जिन, वोडका, लिकर और टकीला जैसे कई तरह के प्रीमियम ड्रिंक्स पर टैरिफ कम हो गए हैं। देश में अभी स्कॉच व्हिस्की पर करीब 150 प्रतिशत का टैरिफ वसूला जाता है। समझौता लागू होने के बाद से इसके दामों में काफी कमी देखने को मिलेगी। इसे घटाकर 40 फीसदी तक लाने का प्लान है। यानी आने वाले समय में स्कॉच व्हिस्की की कीमतें काफी कम हो जाएंगी।
- **इन पर कोई ड्यूटी रियायत नहीं**– भारत ताजे सेब, अखरोट, छाछ और मॉडिफाइड छाछ, ब्लू–वेन चीज, और खास बीज कैटेगरी, गोल्ड बार, और स्मार्टफोन जैसे प्रोडक्ट्स पर कोई ड्यूटी रियायत नहीं देगा. यूके की एक्सक्लूजन लिस्ट में कई तरह के मीट प्रॉडक्ट, अंडे से बनी चीजे, सेमी–मिल्ड या पूरी तरह से मिल्ड चावल, और सॉलिड–फॉर्म केन या चुकंदर चीनी शामिल हैं।

## बीएसएफ जवान ने की शादीशुदा प्रेमिका की हत्या

देहरादून। राजधानी देहरादून में प्रेम प्रसंग का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक बीएसएफ जवान पर अपनी प्रेमिका को जहर देकर हत्या करने का अरोप लगा है। वहीं, बाद में खुद भी जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। आरोपी की हालत गंभीर बनी हुई है और वह दून अस्पताल में उपचाराधीन है, जबकि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बुधवार को आरोपी की पत्नी ने सूचना दी कि उसके पति ने फोन कर अपनी लोकेशन भेजी और बताया कि उसने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी है और खुद भी जहर खा लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस लोकेशन के आधार पर मियांवाला चौक स्थित द बिरिज़ होमस्टे पहुंची। वहां एक कमरे में बीएसएफ जवान परमेन्द्र नेगी (38) निवासी मोहब्बेवाला, क्लेमेंटाउन बेसुध अवस्था में मिला, जबकि आरती बिष्ट (40) निवासी गूलरघाटी, नकरौंदा मृत मिली। पुलिस ने परमेन्द्र नेगी को पहले नजदीकी अस्पताल और फिर दून अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों के बीच पिछले काफी समय से प्रेम संबंध थे। छुट्टी पर घर आए परमेन्द्र नेगी पिछले दो दिनों से आरती के साथ इसी होमस्टे में ठहरा हुआ था।

## हावड़ा में प्रोफेसर की गोद बनती है भगवान जगन्नाथ का रथ

धर्म और आस्था की सीमाओं से परे पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हर साल एक अनोखी रथयात्रा निकाली जाती है। यहां न तो रस्सी से रथ खींचा जाता है और न ही विशाल रथ सजाया जाता है। इसके बजाय कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई तीनों समुदायों के लोग शामिल होते हैं।

### कैबिनेट ने सेमीकॉन मिशन 2.0 को दी मंजूरी

# वाराणसी में बनेगा 6-लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई देने के लिए अब तक के सबसे बड़े निवेश प्रस्तावों में से एक को हरी झंडी दे दी है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई युगांतकारी निर्णय लिए गए, जिनकी घोषणा केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की।

देश को वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) हब बनाने और कनेक्टिविटी को सुगम बनाने के उद्देश्य से कैबिनेट ने कुल 2,19,353 करोड़ रुपये के कुल बजट वाले सा बड़े प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। यह विशाल पैकेज देश की आर्थिक विकास दर को तेज करने और औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।
केंद्रीय कैबिनेट ने एनएच-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 6 लेन के ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। एनएच-19 उत्तर प्रदेश के आगरा से शुरू होकर पश्चिम बंगाल के कोलकाता (डंकुनी) तक जाता है। यह लगभग 1323 किलोमीटर लंबा मार्ग है जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से होकर गुजरता है।

- **गंगा नदी के किनारे छह लेन का कॉरिडोर**– उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में यातायात की भीड़ कम करने के उद्देश्य से कैबिनेट ने राष्ट्रीय राजमार्ग–19 (एनएच–19) और वाराणसी रिंग रोड के बीच गंगा नदी के किनारे कनेक्टिविटी के साथ एक लिंक/कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। 46.039 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में छह लेन का एलिवेटेड मेन कैरिजवे, एक प्रतिष्ठित केबल–स्टे ब्रिज, एक एक्स्ट्राडोज्ड फुट ओवर ब्रिज–कम–मेजर ब्रिज, लूप, रैंप, लिंक रोड और सर्विस रोड शामिल हैं। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) के तहत कुल 14,447.64 करोड़ रुपये की पूंजी लागत पर अमल में लाई जाएगी। इसमें 6,037.85 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत (यूटिलिटी शिफ्टिंग सहित, जीएसटी को छोड़कर) और एनएच(ओ) के तहत 541.11 करोड़ रुपये की भूमि अधिग्रहण लागत शामिल है। यह परियोजना एनएच–19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे शहर के सड़क नेटवर्क में भीड़ काफी कम होगी और शहरी आवागमन में सुधार होगा।
- **वरुणा नदी के किनारे कॉरिडोर**– उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में यातायात जाम कम करने के लिए, कैबिनेट ने वरुणा नदी के किनारे एनएच–31 और वाराणसी रिंग रोड को जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर लंबे लिंक/कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में मुख्य कैरिजवे, फ्लाईओवर, लूप, रैंप और सर्विस रोड सहित 6/4 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल है। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएसएआई) की ओर से हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत कुल 10,998.32 करोड़ रुपये की पूंजी लागत से कार्यान्वित किया जाएगा। जिसमें 4,565.33 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत और 934.91 करोड़ रुपये की भूमि अधिग्रहण लागत शामिल है।
- **यूरिया के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति–2026**– कृषि क्षेत्र में खाद की उपलब्धता और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति–2026 को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने घरेलू यूरिया उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई राष्ट्रीय निवेश नीति को मंजूरी दी है।

## 'शर्त पूरी कर दो तो एनडीए का समर्थन करने के लिए तैयार': सुप्रिया सुले

**मुंबई (एजेंसी)।** परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण विधेयक पर एनसीपी शरद पवार गुट एनडीए का साथ दे सकता है। इसको लेकर पार्टी सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने जवाब दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि वह इंडिया गठबंधन को नहीं छोड़ेंगी।

एनसीपी शरद पवार गुट एनडीए का समर्थन कर सकता है। इसको लेकर मीडिया में खबरें आ रही हैं। इसको लेकर जब पार्टी सांसद सुप्रिया सुले से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि वह सरकार द्वारा लाए जाने वाले बिल का समर्थन कर सकती हैं, यदि उनकी शर्तों को मान लिया जाए।

सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, हमारी पार्टी के सभी आठ सांसद और हमारे सभी विधायक एकजुट हैं। एनसीपी एक ऐसी पार्टी है जिसमें शरद पवार न सिर्फ नेतृत्व करते हैं, बल्कि हर किसी पर ध्यान देते हैं और सबकी बात सुनते हैं।

# सीबीएसई डिजिटल मार्किंग सिस्टम

### सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की पीड़ा पर संज्ञान लिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डिजिटल मार्किंग सिस्टम से विद्यार्थियों की 'निराशा' पर चिंता जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से एक पीआईएल में सहायता मांगी, जिसमें केंद्र सरकार और सीबीएसई से ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के जरिये परीक्षा कराने के लिए नियम बनाने की अपील की गई है।

यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के सामने आया। सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल से केस से निपटने में सहायता मांगते हुए कहा, छोटे बच्चों की निराशा देखिए। पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल थे, ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया में व्यवस्थित धीरे-धीरे आने वाली दिक्कतें लगती हैं।

सीबीएसई का ओएसएम मूल्यांकन सिस्टम एक डिजिटल ग्रेडिंग तरीका है, जिसमें शिक्षक फिजिकल पेपर स्क्रिप्ट चेक करने के बजाय कंप्यूटर पर फिजिकल आंसर शीट की स्कैन की हुई कॉपी का मूल्यांकन करते हैं। जस्टिस बागची ने मेहता से कहा, हम आपकी मदद मांग रहे हैं, विरोध के तौर पर नहीं। कुछ दिक्कतें हैं।

## नोएडा में पीजी बिल्डिंग में भीषण आग, दो की मौत

**नई दिल्ली/नोएडा (एजेंसी)।** नोएडा के ममूरा सेक्टर 66 स्थित एक पांच मंजिला इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई है, जिसमें एक महिला सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस आग में करीब 50 परिवार फंसे हुए थे, जिन्हें फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकला गया। जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक व्हीकल में शार्ट सर्किट होने के बाद आग लगी थी। आग नीचे से ऊपर की तरफ बढ़ी, जिसके चलते लोग पीजी से बाहर नहीं निकाल पाए, लोगों को दूसरी बिल्डिंग से रेस्क्यू कर बाहर निकला गया है।
ज्वाइंट सीपी (कानून व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि नोएडा के ममूरा गांव (थाना फेज–3 क्षेत्र) में स्थित एक इमारत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही फायर सर्विस ने तत्काल रेस्पॉन्ड किया और फायर टेंडर्स को मौके पर उतारकर ऑपरेशन शुरू कर दिया।

### मतदाता सूची में हैरान करने वाली गड़बड़ियां

## दो लाख के माता–पिता नाबालिग, 92 हजार के दादा जवान

देहरादून। उत्तराखंड में दो लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके माता–पिता नाबालिग हैं। वहीं, 92 हजार मतदाताओं के दादा जवान हैं। ये हम नहीं कह रहे, चुनाव आयोग के एसआईआर के पहले चरण के बाद जो 19.04 लाख मतदाताओं की विसंगतियां पकड़ी गईं, उनमें अजब–गजब तथ्य सामने आए हैं। ऊधमसिंह नगर जिले में रुद्रपुर ऐसी विधानसभा है, जहां 89 प्रतिशत मतदाताओं की विसंगतियां हैं। 42,808 मतदाता ऐसे हैं, जिनका कुछ पता नहीं चल पाया।

### 1,99,121 मतदाताओं के माता–पिता नाबालिग

एसआईआर में 1,99,121 ऐसे पकड़ में आए हैं, जिनके और माता–पिता की आयु के बीच महज 15 साल या इससे कम का अंतर है। अल्मोड़ा की सल्ट विधानसभा में 14,001 में से 3,938 मामले (28 प्रतिशत) ऐसे हैं। देहरादून की चकराता विधानसभा में 4,062 मतदाता, हरिद्वार की खानपुर विधानसभा में 5,359 मतदाता ऐसे चिह्नित हुए हैं। जिलावार देखें तो उत्तरकाशी में 4272, चमोली में 4625, रुद्रप्रयाग में 5505, टिहरी में 12,688, देहरादून में 28,367, हरिद्वार में 43,418, पौड़ी में 10,609, पिथौरागढ़ में 7659, बागेश्वर में 4741, अल्मोड़ा में 11,496, चंपावत में 4273, नैनीताल में 22,650, ऊधमसिंह नगर में 38,818 ऐसे मतदाता चिह्नित हुए हैं। वहीं, 1,09,547 मतदाता ऐसे भी हैं, जो अपने माता–पिता से 50 साल से भी ज्यादा छोटे हैं।

92,114 मतदाताओं के दादा हैं जवानये ऐसे मतदाता हैं, जिनके और उनके दादा–दादी या नाना–नानी की उम्र के बीच 40 वर्ष से भी कम का अंतर है। इसमें बागेश्वर जिले की बागेश्वर, कपकोट, अल्मोड़ा की द्वाराहाट विधानसभा में सर्वाधिक 11–11 प्रतिशत मतदाता ऐसे हैं। जिलावार देखें तो उत्तरकाशी में 2608, चमोली में 2405, रुद्रप्रयाग में 1765, टिहरी में 3688, देहरादून में 13,527, हरिद्वार में 14,071, पौड़ी में 5185, पिथौरागढ़ में 4115, बागेश्वर में 4507, अल्मोड़ा में 5144, चंपावत में 2188, नैनीताल में 11,875 और ऊधमसिंह नगर में 21,036 मतदाताओं के दादा जवान हैं।

# मुख्यमंत्री ने किया 113.99 करोड़ की 36 योजनाओं का शिलान्यास

## 41.37 करोड़ की 27 योजनाओं का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोपेश्वर स्थित पुलिस मैदान में आयोजित सेवा, सुशासन एवं समर्पण सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जनपद चमोली के विकास को नई गति देते हुए विभिन्न विभागों की कुल 155.36 करोड की 63 विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 113.99 करोड़ की 36 विकास योजनाओं का शिलान्यास तथा 41.37 करोड़ की 27 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा, पशुपालन, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चमोली जनपद धार्मिक, सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार जनपद के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने 4.34 करोड़ से जोशीमठ-नीति मार्ग के जुग्जू में स्टील ट्रस पुल, 9.62 करोड़ से लंगसी-द्वींग-

तपोवन-लांजी-पोखनी मोटर मार्ग पर 78 मीटर लोह सेतु, 85.24 लाख से मैहलचौरी-सिलंगना घनियाली मोटर मार्ग का पुनर्निर्माण, 2.20 करोड़ से चांदनीखाल-रड़वा-काण्डई-रेंसू मोटर मार्ग विस्तार, 2.57 करोड़ से विशालखाल-देवीखेत-बांमेश्वर मोटर मार्ग, 2.51 करोड़ से नन्दानगर की 13 पर्वतीय नहरों का पुनरोद्धार, 3.40 करोड़, 4.08 करोड़, 4.59 करोड़, 2.16 करोड़, 1.83 करोड़, 3.52 करोड़ एवं 6.83 करोड़ की विभिन्न बाढ़ सुरक्षा योजनाएं, 2.60 करोड़ से डायट गौचर अनुरक्षण, 4.36 करोड़ से मॉडल राजकीय पशु चिकित्सालय नन्दप्रयाग, 98.45 लाख से पशु चिकित्सालय तलवाड़ी, 3.03 करोड़ से सेम-तोप में सामुदायिक भवन एवं पार्किंग, 2.88 करोड़ से राइंका उज्ज्वलपुर भवन, 3.20 करोड़ से नन्दानगर पार्किंग, 4.05 करोड़ से गोगनापानी-भड़ूड़ा मोटर मार्ग, 4.71 करोड़ से गोपेश्वर-पोखरी-बछेर मोटर मार्ग, 3.32 करोड़ एवं 2.33 करोड़ से स्टील गर्डर सेतु, 6.99 करोड़ से नौटी-चौण्डली-ल्यूथा मार्ग, 7.42 करोड़ से हरनीचक-मुन्दोली मार्ग, 9.36 करोड़ से थराली-घाट (डुंग्री) मार्ग, 3.50 करोड़ से लौहाजंग-वॉक मार्ग तथा 1.95 करोड़ एवं 2.00 करोड़ से तेलाण मार्ग पर स्टील गर्डर सेतु सहित शिक्षा, सिंचाई, पशुपालन एवं सड़क अवसंरचना से जुड़ी अन्य योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने 1.42 करोड़ से गैरसैंण मुख्य मार्ग पर इंटरलॉकिंग टाइल्स, 2.71 करोड़ से सेमी-मासों मोटर मार्ग, 2.34 करोड़ से हापला-गुड़म-नैल-नौली मोटर मार्ग, 1.15 करोड़ से नंदासैंण-मालई मोटर मार्ग का डामरीकरण, 50-50 लाख से बीपीएचयू पोखरी एवं जिला चिकित्सालय चमोली में डीआईपीएचएल भवन, विभिन्न विद्यालयों में 21.84 लाख से 26.77 लाख की लागत से पुस्तकालय, आर्ट एंड क्राफ्ट कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशालाएं, 3.50 करोड़ से बैरागना ट्राउट इंडोर हैचरी, 2.45 करोड़ से स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर में दो कोर्ट का बैडमिंटन हॉल, 40.50 लाख से कल्पेश्वर पाथवे एवं आर्क ब्रिज, 30 लाख से पाण्डुकेश्वर बहुउद्देशीय सहकारी समिति भवन, 5.63 करोड़ से तेफना-कण्डारा मोटर मार्ग अपग्रेडेशन, 9.32 करोड़ से कुलसारी-गैरवारम मोटर मार्ग अपग्रेडेशन तथा 7.75 करोड़ से लोल्टी-मालबज्वाड़-पास्तोली मोटर मार्ग का लोकार्पण किया। इन योजनाओं से जनपद में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन, मत्स्य पालन एवं आधारभूत सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। इस मौके पर चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, नगर पालिका परिषद चमोली गोपेश्वर अध्यक्ष संदीप रावत, नगर पालिका परिषद कर्णप्रयाग अध्यक्ष गणेश शाह, महिला आयोग उपाध्यक्ष चंद्रकला तिवारी, राज्य मंत्री हरक सिंह, रामचंद्र गौड़, बलवीर घुनियाल, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद कनवासी, दलवीर दानू, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर

## भूस्खलन से जूझ रहे डाबरा तोक में अब बीज बम का सहारा

नौगांव (उत्तरकाशी)। डेढ़ दशक से भू–धंसाव और भूस्खलन की समस्या झेल रहे नगर पंचायत के डाबरा तोक में अब हरियाली से समाधान तलाशने की कवायद की गई है। अपर यमुना वन प्रभाग की मुंगरसंति रेंज ने दो हजार बीज बम का छिड़काव कर प्रकृति आधारित संरक्षण अभियान की शुरुआत की है। उद्देश्य ऐसा हरित आवरण तैयार करना है जो भविष्य में मिट्टी को बांधे और भूस्खलन की तीव्रता को कम करने में मदद करे। अभियान के तहत जूनियर हाईस्कूल धारी वल्ली के छात्रों ने बीज बम को भूस्खलन प्रभावित ढलानों पर फैलाया। वन विभाग का मानना है कि विकसित होने वाला हरित आवरण ढलानों को प्राकृतिक मजबूती देगा और मिट्टी के कटाव को कम करेगा। वन क्षेत्राधिकारी विवेक चौहान ने बताया कि बीज बम तकनीक उन क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है जहां सामान्य पौधारोपण कठिन होता है। कम लागत में बड़े क्षेत्र को हरित बनाने का यह प्रभावी तरीका है और स्थानीय लोगों की भागीदारी से इसके बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

## अलग जिले के लिए रवांई घाटी के लोग हुए मुखर

नौगांव (उत्तरकाशी)। रवांई पृथक जनपद संघर्ष समिति की ओर से नौगांव के मुख्य बाजार में आयोजित जनसभा में अलग जिले की मांग को लेकर लोग फिर मुखर हो गए। जनसभा में वक्ताओं ने क्षेत्रवासियों से आंदोलन को जन–जन तक पहुंचाने और इसे मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पृथक जनपद का गठन ही रवांई क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में सबसे बड़ा कदम साबित होगा। समिति ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित कर पृथक जनपद गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से रवांई क्षेत्र स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। प्रशासनिक दूरी और संसाधनों की कमी के कारण आम लोगों को छोटी–छोटी सरकारी सेवाओं के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना था कि पृथक जनपद बनने से प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और आम जनता को सरकारी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। जनसभा में वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष या राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे रवांई क्षेत्र के सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़ा जन आंदोलन है।

## आपदा पीड़ितों को राहत नहीं, थमा दिए बकाया पानी के बिल

बड़कोट। वर्ष 2025 की आपदा से प्रभावित स्यानाचट्टी के परिवारों ने जल संस्थान पर आपदा अवधि के बिल भी वसूलने का आरोप लगाया है। प्रभावितों का कहना है कि जिस समय पूरा क्षेत्र आपदा की मार झेल रहा था और लोग अपने घर–रोजगार बचाने की जद्दोजहद में थे उसी अवधि के बकाया बिल इस वर्ष के नए बिल में जोड़कर भेज दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2025 की आपदा के दौरान यमुना नदी पर झील बनने से स्यानाचट्टी लंबे समय तक जलमग्न रहा। कई मकान, दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए तथा लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अब सामान्य स्थिति लौटने से पहले ही आपदा काल के बकाया जल बिलों की वसूली शुरू होने से प्रभावित परिवार खुद को दोहरी मार झेलने वाला बता रहे हैं।

आपदा प्रभावित दिनेश सिंह, रमेश सिंह, दिपिन राणा, शैलेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह, चित्र मोहन और विवेक राणा का आरोप है कि आपदा के दौरान लोगों की आजीविका प्रभावित रही और अधिकांश परिवार आर्थिक संकट से उबरने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समय में बिल वसूली करना संवेदनशील निर्णय नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार से आपदा अवधि के जल बिलों को विशेष राहत के तहत माफ करने की मांग की है।

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-08/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री कवि दत्त, 2- श्री महेश चन्द्र पुत्र श्री कविदत्त, 3- श्री अरूण प्रकाश पुत्र श्री कविदत्त, 4- शान्ति देवी पत्नी श्री कविदत्त, 5- श्री श्याम सिंह पुत्र श्री केशर सिंह, 6- श्री राम सिंह पुत्र श्री केशर सिंह, 7- श्री राजेश पुत्र श्री जय सिंह, 8- जसुली देवी पत्नी श्री जय सिंह, 9- श्री भीम सिंह पुत्र श्री ध्यान सिंह, 10- श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री ध्यान सिंह, 11- श्री भीम सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, 12- श्री संजय सिंह पुत्र श्री ठाकूर सिंह, 13- श्री मनवर सिंह पुत्र श्री ठाकूर सिंह, 14- छवाणी देवी पत्नी श्री ठाकूर सिंह, 15- श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह, 16- श्री हरी दत्त पुत्र श्री गोर्वद्धन, 17- श्री बच्चीराम पुत्र श्री खिमानन्द, 18- श्री ख्यालीराम पुत्र श्री खिमानन्द, 19-श्री तारादत्त पुत्र श्री भवानीदत्त समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-01 कुल रक्वा 0.567 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30-7-2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0556/17)

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-05/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री मंगल सिंह पुत्र श्री बुथाड सिंह, 2- गोविन्द सिंह पुत्र श्री वाल सिंह, 3- नन्दन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह उर्फ हर सिंह, 4- कुन्दन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह उर्फ हर सिंह, 5- सदुली देवी पत्नी श्री हरी सिंह उर्फ हर सिंह, 6- दर्शन सिंह पुत्र श्री राजे सिंह, 7- मनवर सिंह पुत्र श्री राजे सिंह, 8- दयाल सिंह पुत्र श्री राजे सिंह, 9- श्री पूरण सिंह पुत्र श्री राजे सिंह, 10- विशना देवी पत्नी श्री राजे सिंह, 11- श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री राजे सिंह, 12- श्री धन सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, 13- मान सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, 14- श्री त्रिलोक सिंह पुत्र श्री नैन सिंह उर्फ जय सिंह, 18- श्री शिवचरण पुत्र श्री गंगा सिंह, 19- श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री बचुबा, 20- श्री कुंवर सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह, 21- श्री दयाल सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह समस्त निवासी ग्राम- भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3 तहसील थलीसैण, जनपद गढवाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-18 कुल रक्वा 0.805 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0561/17)

## मुआवजा न मिलने पर प्रभावितों ने रुकवाया काम

कर्णप्रयाग। मुआवजा न मिलने से आक्रोशित आपदा प्रभावित परिवारों ने ट्रीटमेंट कार्य रुकवा दिया। प्रभावित परिवारों ने कहा कि ट्रीटमेंट कार्य शुरू होने से पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें मुआवजे के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया था लेकिन एक माह जाने के बाद भी मुआवजा नहीं मिल पाया है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि यदि दस दिन में उन्हें मुआवजा नहीं मिला तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।नगर के बहुगुणा नगर में सिंचाई विभाग की ओर से 50 करोड़ की लागत से ट्रीटमेंट कार्य किया जा रहा है। ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट घोषित होने के बाद प्रभावित परिवारों ने पहले मुआवजा देने और फिर कार्य शुरू करने की मांग पर धरना शुरू किया था। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला। मुख्यमंत्री ने मुआवजे को लेकर उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया था। मगर अभी तक मुआवजा नहीं मिलने पर प्रभावितों ने बुधवार को काम रुकवा दिया। सभासद कमला रतूड़ी, पूर्व सभासद हरेंद्र चौधरी, प्रतिमा, विनीता सती, भगवती प्रसाद सती, हरिराम आदि ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिले एक माह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन मुआवजे को लेकर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। यदि दस दिन में मुआवजे को लेकर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

## राहत भरी खबर, स्यानाचट्टी में बैली ब्रिज तैयार,सुरक्षा के लिए नदी में उतरीं पोकलेन मशीनें

उत्तरकाशी। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा व्यवस्था बहाल करने की दिशा में राहत भरी खबर है। स्यानाचट्टी में यमुना नदी पर निर्मित नया बैली ब्रिज पूरी तरह तैयार हो गया है। विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुधवार से इस पुल पर वाहनों की आवाजाही शुरू होने की संभावना है। भूस्खलन से क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने के लिए एनएच विभाग किमी 80+300 पर गैबियन सुरक्षा दीवार बना रहा है। सुरक्षा दीवार का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। विभाग का लक्ष्य बुधवार तक कार्य पूरा कर मार्ग को शाम तक यातायात के लिए खोलना है। बीते बृहस्पतिवार को भारी बारिश के दौरान हुए भूस्खलन से स्यानाचट्टी में राष्ट्रीय राजमार्ग का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे यमुनोत्री धाम की ओर जाने वाला यातायात बाधित हो गया था। एनएच विभाग की मशीनें और कर्मचारी लगातार मार्ग बहाली के कार्य में जुटे हैं।

### स्यानाचट्टी की सुरक्षा के लिए नदी में उतरीं पोकलेन मशीनें

यमुना नदी का जलस्तर घटने के बाद स्यानाचट्टी क्षेत्र में राहत और बचाव कार्यों में तेजी आई है। नदी के बढ़े बहाव और जमा मलबे से प्रभावित हिस्सों को सुरक्षित करने का काम युद्धस्तर पर शुरू हुआ है। यमुना नदी में दो पोकलेन मशीनें उतारी गई हैं। ये मशीनें नदी के बहाव को व्यवस्थित कर रही हैं। साथ ही मलबा हटाने और बस्ती की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

## बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी: सियासत हुई तेज

देहरादून। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण पर भाजपा–कांग्रेस के बीच सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आरोपों व सार्वजनिक बहस से भागने के आरोप पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, बदरीनाथ व केदारनाथ करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। मंदिरों से संबंधित आरोपों पर बहस सड़क या किसी अन्य स्थान पर नहीं हो सकती है। गोदियाल आरोपों का जवाब बदरी विशाल व बाबा केदार के दरबार में आकर जवाब दें। द्विवेदी ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष गोदियाल का आरोप है कि आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को गणना ड्यूटी में बीकेटीसी अध्यक्ष ने नियुक्त किया। जबकि नौटियाल अप्रैल 2025 से गणना ड्यूटी में तैनात है। उस समय उनके पास बीकेटीसी अध्यक्ष का दायित्व नहीं था। बदरी–केदार मंदिर समिति अधिनियम के अनुसार मंदिर कोष से अन्य विकास कार्य नहीं कराए जा सकते हैं।

## सारकोट जमीन खरीद–फरोख्त मामले में सुनवाई 23 को

गैरसैंण। मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट में जमीन खरीद–फरोख्त में हुई गड़बड़ी के मामले में 23 जुलाई को गैरसैंण तहसील में जांच और सुनवाई होगी। ग्रामीणों ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। फरियादी सुरेंद्र सिंह ने उप जिलाधिकारी अबरार अहमद और तहसीलदार हरीशचंद्र पांडे को शिकायत पत्र सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पुश्तैनी भूमि के 14 हिस्सेदार हैं। बिक्री के दौरान नियमों की अनदेखी कर सहमति नहीं ली गई। सुरेंद्र सिंह के अनुसार 13 मई को अल्मोड़ा निवासी रवि चौहान और बागेश्वर निवासी हरि सिंह को 35 नाली भूमि बेची गई थी। इसमें से करीब 12 नाली जमीन उनकी हिस्सेदारी की है। तहसीलदार हरीशचंद्र पांडे ने बताया कि दाखिल खारिज की कार्रवाई से पहले यह सुनवाई होगी।

## चमोली जिले की पांच लखपति दीदी को मिला सम्मान

गोपेश्वर। उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूएसआरएलएम) एवं आईआईएम काशीपुर के सहयोग से संचालित भुली परियोजना के शुभारंभ पर चमोली जिले की पांच स्वयं सहायता समूह की पांच लखपति दीदी को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने स्वरोजगार के क्षेत्र में नवाचार कर अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सम्मानित होने वाली महिलाओं में दशोली विकासखंड की नीरजा देवी, जोशीमठ विकासखंड के अंतिम गांव मलारी की दमयंती देवी और रश्मि देवी, कर्णप्रयाग विकासखंड की कमला देवी तथा गैरसैंण विकासखंड की सावित्री देवी शामिल हैं। सभी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार अपनाकर लखपति दीदी बनने का सफर तय किया। महिलाओं ने पहाड़ी उत्पादों के विपणन, ऊनी वस्त्र निर्माण, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन, वैजयंती माला और अन्य पारंपरिक उत्पादों के माध्यम से अपनी पहचान बनाई है। दशोली की नीरजा देवी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से मिले प्रशिक्षण और मार्गदर्शन ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया।

## 80 वर्षीय महिला की शिकायत पर प्रशासन सक्रिय

पुरोला। सरकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाने के दावों के बीच पुरोला के घुंडाडा गांव की 80 वर्षीय चंद्री देवी का मामला सिस्टम की जमीनी स्थिति को सामने लाता है। बुनियादी सुविधाओं और लंबित पेंशन की शिकायत लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचीं वृद्धा की फरियाद पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुरोला तहसील से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित ग्राम घुंडाडा निवासी चंद्री देवी मंगलवार को समस्याएं लेकर उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला के कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनके साथ रहने वाले बेटे की कुछ वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है और अब वह अकेली हैं। चंद्री देवी ने प्रशासन को बताया कि उनके घर में अब तक बिजली और गैस कनेक्शन की सुविधा नहीं पहुंची है। इसके अलावा पिछले तीन माह से वृद्धावस्था पेंशन भी नहीं मिली जिससे दैनिक जरूरतों का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम मुकेश रमोला ने संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने उरेडा विभाग को सौर ऊर्जा योजना के तहत घर में बिजली की व्यवस्था कराने और समाज कल्याण विभाग को एक सप्ताह के भीतर तीन माह से लंबित वृद्धावस्था पेंशन जारी करने के निर्देश दिए।

## अमेरिका—ईरान जंग में परिवहन निगम की 59 बसों की डील पर फंसा पेंच

देहरादून। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध ने उत्तराखंड परिवहन निगम की 59 बसों की डील पर पेंच फंसा दिया है। निर्माता कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमत बढ़ने का हवाला देते हुए पुरानी तय की गई दरों पर बसें देने से इनकार कर दिया है। निगम और निर्माता कंपनी के अधिकारियों के बीच मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक निगम ने पिछले वर्ष जुलाई में टाटा के साथ 100 बसें खरीदने के लिए डील की थी। इसका पीओ (परचेज ऑर्डर) भी कर दिया गया था। तब दर 35 लाख 35 हजार रुपये प्रति बस थी। सितंबर महीने में केंद्र सरकार ने बसों पर लागू जीएसटी की दर

28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत की तो इन्हीं 100 बसों की राशि 35 करोड़ 35 लाख में टाटा ने नौ अतिरिक्त बसें देने का प्रस्ताव दिया था।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रति बस 2 लाख 77 हजार रुपये कीमत कम हो गई थी। ऐसे में निर्माता कंपनी के पास नौ बसों का पैसा शेष बच रहा था। इसके अलावा हाल ही में कैबिनेट की ओर से पर्वतीय मार्गों पर चलाने के लिए 50 और बसें खरीदने का प्रस्ताव पास किया गया। इन बसों को 32 लाख 58 हजार रुपये की दर से खरीदा जाना था। लेकिन टाटा ने खाड़ी देशों के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल की कीमत बढ़ने का हवाला देते हुए बस की दरों को बढ़ाकर 36 लाख रुपये प्रति बस कर दिया। ऐसे में 59 बसों की डील बीच में ही अटक गई है।

बेस अस्पताल को बड़ी राहत :

# जल्द मिलेगी मनोचिकित्सक की सेवा, ईएनटी विभाग भी होगा मजबूत

कोटद्वार का राजकीय बेस चिकित्सालय

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** राजकीय बेस अस्पताल में लंबे समय से महसूस की जा रही मनोचिकित्सक की कमी अब जल्द दूर होने वाली है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की स्थानांतरण एवं तैनाती प्रक्रिया के तहत अस्पताल में मनोरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे अब अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी रोगों का निदान और उपचार स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगा।

विभाग की ओर से पीजी उपरांत मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. सुपिन यादव की राजकीय बेस अस्पताल में तैनाती की गई है। संभावना है कि वे आगामी कुछ दिनों में अस्पताल पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनके आने से मानसिक रोगों से जूझ रहे मरीजों को अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और उन्हें बेहतर परामर्श व उपचार की सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में पीजी उपरांत कान-नाक-गला (ईएनटी) विशेषज्ञ डॉ. हर्षिता ढींगरा की भी बेस अस्पताल में नियुक्ति की गई है। वर्तमान में ईएनटी विभाग में डॉ. अमन अग्रवाल और डॉ. मुकेश वर्मा अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नए विशेषज्ञ के जुड़ने से विभाग की कार्यक्षमता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में और सुधार होने की उम्मीद है। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय सिंह ने बताया कि दोनों विशेषज्ञों के जल्द कार्यभार संभालने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अभी भी कुछ विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद रिक्त हैं, जिन्हें भरने के लिए उच्च अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है, ताकि मरीजों को सभी आवश्यक विशेषज्ञ सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सकें।

# मेरिट सूची में देरी पर छात्रसंघ ने जताया रोष, तीन दिन का दिया अल्टीमेटम

समस्या को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन देते छात्र संघ पदाधिकारी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की मेरिट सूची जारी होने में हो रही देरी को लेकर छात्रसंघ ने नाराजगी जताई है। छात्रसंघ ने महाविद्यालय प्रशासन को तीन दिन के भीतर मेरिट सूची जारी करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बुधवार को छात्रसंघ अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य डा. डी.एस. नेगी को ज्ञापन सौंपा। छात्रसंघ का कहना है कि प्रदेश के अधिकांश महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ चुकी है और कई जगह कक्षाएं भी शुरू हो गई हैं, जबकि कोटद्वार महाविद्यालय के हजारों विद्यार्थी अब भी मेरिट सूची का इंतजार कर रहे हैं। इससे छात्रों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है। छात्रसंघ अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक वर्ष इस समय तक प्रवेश प्रक्रिया काफी आगे बढ़ जाती थी, लेकिन इस बार अनावश्यक विलंब के कारण विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय नष्ट हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद महाविद्यालय प्रशासन छात्रों के हितों के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि तीन दिन के भीतर प्रथम सेमेस्टर की मेरिट सूची जारी नहीं की गई तो छात्रसंघ विद्यार्थियों के हित में लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। वहीं, प्राचार्य डा. डीएस नेगी ने छात्रों को आश्वस्त किया कि महाविद्यालय प्रशासन मेरिट सूची जारी करने की प्रक्रिया में गंभीरता से कार्य कर रहा है और दो से तीन दिन के भीतर सूची जारी कर दी जाएगी। इस दौरान अनिकेत दुगलचा, रोहन राणा, शौर्य विश्नोई, हिमांशु शाह, रामगोपाल सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

# जनसेवा शिविर, 276 लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ

आयोजित शिविर में विभागों के स्टाल का निरीक्षण करते अतिथि

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड बीरोंखाल में जनसेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने एक ही स्थान पर सरकारी योजनाओं की जानकारी, पंजीकरण, प्रमाणपत्र और अन्य विभागीय सेवाएं उपलब्ध कराईं। इस दौरान 276 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड माटी कला बोर्ड की उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री (दर्जाधारी मंत्री) अनुराधा वालिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर लाभार्थियों से संवाद किया और कहा कि ऐसे शिविर शासन और जनता के बीच मजबूत कड़ी का कार्य कर रहे हैं। इनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी जरूरतमंद सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। साथ ही लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

शिविर में कृषि एवं उद्यान विभाग ने 22 किसानों को कृषि सामग्री और पौध वितरित किए। बाल विकास विभाग ने 11 महिलाओं को महालक्ष्मी किट प्रदान की। स्वास्थ्य विभाग ने 98 तथा आयुष विभाग ने 70 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया। समाज कल्याण विभाग ने 32 लाभार्थियों को वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन योजनाओं से जोड़ा, जबकि राजस्व विभाग ने 13 लोगों को कृषक प्रमाण-पत्र और खाता-खतौनी की नकल उपलब्ध कराई। वहीं, रीप और एनआरएलएम के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार 30 उत्पादों का विक्रय भी किया गया।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख नेहा नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख कुलदीप नेगी, खंड विकास अधिकारी एस.एस. बुटोला, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रेम सिंह नेगी, ग्राम प्रधान राजे सिंह, मंडल अध्यक्ष ओम पाल बिष्ट, यशवंत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

## 50 हेक्टेयर भूमि में होगा पौध रोपण

श्रीनगर गढ़वाल : लोकपर्व हरेला के साथ श्रीनगर वन रेंज हरियाली के लिए बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। 16 जुलाई से शुरू होने वाले हरेला पर्व को लेकर वन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। रेंज में अब तक करीब 30 हजार पौधे पहुंच चुके हैं और लगातार नई खेप भी आ रही है। सरकारी विभागों, विद्यालयों, वन पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पौधों का वितरण शुरू हो चुका है। श्रीनगर वन रेंज के रेंजर मनोज रावत ने बताया कि हरेला उत्तराखंड की संस्कृति और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक पर्व है।

# प्रवेश परीक्षा यूईटी-2026-27 का परिणाम घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 17 से 20 जून 2026 तक आयोजित विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (यूईटी-2026-27) का परिणाम घोषित कर दिया है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश परीक्षा अनुक्रमांक एवं जन्मतिथि दर्ज कर परिणाम देख सकते हैं।

इस शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) के अभ्यर्थियों हेतु 5 प्रतिशत की छूट (अर्थात 35 प्रतिशत अंक) का प्रावधान किया गया था। विश्वविद्यालय के वर्तमान नामांकित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में निरंतरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निर्धारित न्यूनतम पात्रता अंकों में अतिरिक्त 5 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यूईटी-2026-27 का परिणाम केवल शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ही मान्य होगा। विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी ने बताया कि यूईटी-2026-27 के अंतर्गत 101 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कुल 13,900 आवेदन प्राप्त हुए थे।

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-03/2025-26

अन्तर्गत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री दयाल सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, 2- श्री कुंवर सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-10 कुल रक्वा 0.168 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0559/17)

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-02/2025-26

अन्तर्गत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री जय सिंह पुत्र श्री गजे सिंह, 2- श्री राजे सिंह पुत्र श्री गजे सिंह, 3- श्री राम सिंह पुत्र श्री गजे सिंह, 4- श्री पान सिंह पुत्र श्री गजे सिंह, 5- सुल्तान सिंह पुत्र श्री बुथाड सिंह, 6- दलीप सिह पुत्र श्री बची सिंह, 7- महेन्द्र सिंह पुत्र श्री बची सिंह, 8- जगमोहन सिंह पुत्र श्री बची सिंह समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-07 कुल रक्वा 0.516 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0558/17)

## अदालती सूचना

**न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।**

वाद सं0-01/2025-26

अन्तर्गत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री जय सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 2- सौरभ सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, 3- शंकरी देवी पत्नी श्री गोपाल सिंह, 4- श्री बाल सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 5- सतेन्द्र सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 6- बचे सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 7- आनन्द सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 8- पूर्ण सिह पुत्र श्री हर सिंह समस्त निवासी ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-06 कुल रक्वा 0.094 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0557/17)

## संपादकीय

# मैदान पर भी "तकनीक" का खेल

उत्तराखंड की राजनीति में एक बार फिर से सरगर्मियां पैदा हो गई है क्योंकि हाल के दिनों में छात्रों से संबंधित पेपर लीक मामले को लेकर राहुल गांधी देहरादून में छात्रों के बीच आ रहे हैं। उनके इस दौरे को लेकर भाजपा नेताओं में छटपटाहट स्पष्ट देखने को मिल रही है और उनके आने से पूर्व संगठन स्तर पर अलग–अलग नेताओं की बयानबाजियां सामने आने लगी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने तो छात्रों से जुड़े इस कार्यक्रम को घिसा पिटा बता कर एक नया ही विवाद पैदा कर दिया लेकिन एक बात तो होता है कि भाजपा के लिए कांग्रेस भले ही अधिक प्रभावशाली ना हो लेकिन राहुल गांधी का नाम बेचैनी पैदा कर देता है। राहुल के दौरे से पूर्व ही मैदान की अनुमति को लेकर जिस प्रकार की राजनीति देखने को मिली है उससे आम जनमानस में भाजपा नेताओं के खिलाफ एक नकारात्मक संदेश गया है और कहा जा रहा है कि आखिर शासन प्रशासन को एक राष्ट्रीय दल के नेता के कार्यक्रम से इतना डर क्यों है? प्रशासन का कहना है कि देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजन की अनुमति छात्रों के लिए मांगी गई थी और उसमें नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी के नाम का कहीं भी जिक्र नहीं है। माना यह तकनीकी त्रुटि हो सकती है लेकिन इससे ऊपर उठकर एक सकारात्मक कदम उठाते हुए इसे मुद्दा नहीं बनाना चाहिए था। निश्चित तौर पर अनुमति के इस प्रकरण से भाजपा का पक्ष थोड़ा कमजोर हुआ है।

अब प्रश्न यह भी है कि जब राहुल गांधी का कार्यक्रम पहले से ही तय किया गया था तो आखिर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अनुमति के पत्र पर राहुल गांधी के नाम का जिक्रक्यों नहीं किया? क्या कांग्रेस संगठन खुद भ्रम की स्थिति में था कि राहुल गांधी आएंगे या नहीं या फिर अत्याधिक आत्मविश्वास कि सिर्फ अनुमति ही काफी है उसमें मुख्य नेता का नाम निर्दिष्ट करें या नहीं!

राजनीतिक दलों को भी अब यह बात समझ आ गई होगी कि किसी भी बड़े आयोजन को लेकर अनुमति में सभी बातों का उल्लेख किया जाए ताकि और वक्त पर प्रशासनिक तकनीकी गलतियों से न जूझना पड़े, खास तौर से तब जब आयोजन विपक्ष के किसी बड़े नेता का हो। हालांकि यह कहना भी पूरी तरह से उचित नहीं होगा कि यहां पूरी गलती कांग्रेस की है बल्कि एक स्वस्थ राजनीति के तहत एक राष्ट्रीय दल के नेता के कार्यक्रम को विवाद से बचाकर सरकार स्वस्थ परंपरा को आगे बढ़ा सकती थी। निश्चित तौर पर परिवर्तित कार्यक्रम स्थल के दौरान राहुल गांधी सरकार और देहरादून प्रशासन की इस हरकत को आसानी से रियायत देने वाले नहीं है और जहां एक तरफ छात्रों से जुड़े मामलों पर मुखर रहेंगे वही अनुमति का यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाने वाले हैं। मुद्दा मैदान से अधिक व्यवस्थाओं पर केंद्रित होना चाहिए था लेकिन यहां सब कुछ उलट हुआ और कांग्रेस के एक पत्र ने जिला प्रशासन के कान खड़े कर दिए या फिर यह कह सकते हैं कि एक ऐसा तकनीकी जुगाड़ निकाल लिया गया ताकि कार्यक्रम ना हो पाए।

# सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए।

वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

# राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानते हैं।

# जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

**वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।**

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्न कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

## संक्षिप्त समाचार

### बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनवा रहा युवक गिरफ्तार, धन शोधन का लगा आरोप

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में प्रभु श्रीराम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण करवा रहे हरि दास तारोनी को पुलिस ने धन शोधन के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। हरि दास की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कट्टरपंथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर को अपमानित करने के विरोध में अल्पसंख्यक समुदाय देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा है। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने हरि दास तारोनी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने खास कहा, मैंने अभी गाइबांधा के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि हरि दास को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सीआईडी ने हरि दास को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया है। इससे पहले भारत ने 23 जून को बांग्लादेश से कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू करने और अल्पसंख्यक समुदायों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पुरजोर आग्रह किया था। बांग्लादेश की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में श्रीश्री राधा गोविंद और काली मंदिर में हो रहे भगवान श्रीराम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति के निर्माण को रुकवा दिया है। काले पत्थर से बनाई जा रही इस विशाल मूर्ति की अनुमानित लागत 17 करोड़ भारतीय रुपये है। रामचंद्रपुर गांव में स्थित इस धार्मिक परिसर में कुल 144 देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने की योजना है।

### पाकिस्तान में बैंक लूट के दौरान गोलीबारी में हिंदू डॉक्टर की मौत, जांच जारी

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को 28 वर्षीय हिंदू डॉक्टर की लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। यह घटना कराची के पॉश क्लिफ्टन इलाके में हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसएसपी मेहरोज अली ने बताया कि आकाश चंद की मौत उस समय हुई, जब एक निजी बैंक के बाहर लुटेरों और बैंक के सुरक्षा गार्ड के बीच गोलीबारी हुई। अली ने बताया कि चंद अपने पिता और चचेरे भाई के साथ दूसरे बैंक से 50 लाख पाकिस्तानी रुपये निकालकर लाए थे। उन्हें यह रकम दूसरे बैंक में जमा करनी थी। वे 25-25 लाख रुपये के दो पैकेट लेकर जा रहे थे। अली ने बताया, जैसे ही उनकी कार बैंक के बाहर रुकी। उनके पीछे एक दूसरी कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने पैसे लूटने की कोशिश की। तभी बैंक के दरवाजे पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने गोली चला दी। लुटेरों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चंद की मौत हो गई। लुटेरे 25 लाख रुपये का एक पैकेट लेकर फरार हो गए। अली ने बताया, हम इस मामले की जांच कर रहे हैं कि क्या यह अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से किया गया था। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चंद की मौत किसकी गोली से हुई। शुरुआत में सुरक्षा गार्ड को लगा था कि जिस कार से परिवार आया था, वह भी लुटेरों के साथ शामिल हो सकती है।

### भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर, जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

**बर्लिन, एजेंसी।** जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई। दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। वदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत की यात्रा तथा इस साल की शुरुआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पूरी होने के बाद रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष जताया।

# होर्मुज में ईरान के मिसाइल हमले में भारतीय नाविक की मौत, यूएई के तेल टैंकरों को बनाया निशाना; 8 घायल

**तेहरान, एजेंसी।** स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल टैंकरों पर किए गए भीषण मिसाइल हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैला दी है। इस हमले में न केवल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, बल्कि एक भारतीय नाविक ने अपनी जान भी गंवाई है।

**ईरान के हमले में 8 लोग घायल :** जानकारी के मुताबिक, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इन जहाजों पर ईरानी सेना ने सीधी मिसाइलें दागीं। यूएई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की पुष्टि की गई है। इस अचानक हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के आठ अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

**जहाज से 20 प्रतिशत टोल :** ईरान का यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज क्षेत्र के लिए एक बेहद विवादित और बड़ी घोषणा की है। ट्रंप ने खुद को 'होर्मुज का गार्जियन' घोषित करते हुए ऐलान किया है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से 20 प्रतिशत टोल वसूला जाएगा। ट्रंप का तर्क है कि चूंकि अमेरिकी नौसेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षा प्रदान कर रही है, इसलिए उसे इस सेवा के बदले टैक्स मिलना चाहिए।

**होर्मुज बंद होने से बढ़ा तनाव :** क्षेत्र में तनाव तब चरम पर पहुंच गया जब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की कोशिश की। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए बताया कि उनकी नौसैनिक नाकेबंदी विशेष रूप से ईरान और तेहरान के साथ व्यापार करने वालों को लक्षित करेगी। वहीं, अन्य देशों के जहाजों को टोल चुकाने के बाद ही इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

**यूएई की कड़ी प्रतिक्रिया :** यूएई ने इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कड़े शब्दों में हमले की निंदा करते हुए कहा कि उनके पास अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। मंत्रालय ने मृतक भारतीय नाविक के परिवार और भारत सरकार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

**वैश्विक बाजार पर असर :** विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज में जारी इस तनाव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए यह मार्ग दुनिया की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते इस सैन्य टकराव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने की आशंका बढ़ गई है, जिससे भारत सहित कई विकासशील देशों के लिए ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है।

**बंदर अब्बास में भी अमेरिका का हमला :** ईरान के बंदर अब्बास और केश्म द्वीप को अमेरिका ने निशाना बनाया है। ईरान के मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक खुजेस्तान प्रांत में भी हमले हो रहे हैं। यह शहर पेट्रोलियम उद्योग के ललिए मशहूर है। इसके अलावा अहवाज और अंदीमेश्क में भी अमेरिका ने हमले किए हैं। होर्मुज के पास ही स्थित फारुर द्वीप पर भी अमेरिका ने बमबारी की। ऐसे में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में एक बार फिर उछाल दर्ज किया गया है। इन हमलों के बीच अमेरिका के प्रमुख हथियारों के भंडार पर गहरा संकट गहरा रहा है, जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के इसी रफ्तार से जारी रहने पर और बिगड़ सकता है। इससे दुनिया में अन्य जगहों पर भविष्य के संघर्षों से निपटने की उसकी क्षमता को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं।

**जॉर्डन ने ईरान की 4 मिसाइलें हवा में मार गिराईं :** जॉर्डन की सेना ने ईरान से दागी गई चार मिसाइलों को अपने हवाई क्षेत्र में ही मार गिराया। अल जजीरा के मुताबिक, सभी मिसाइलों को जॉर्डन के एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलता के साथ रोक लिया। फिलहाल किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं है।

**ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराया :** ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB के मुताबिक, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। हालांकि, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस की ओर से इस दावे पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि हालिया अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की सैन्य ताकत काफी हद तक खत्म हो गई है और देश स्टोन एज जैसी स्थिति में पहुंच गया है।

## पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

**वाशिंगटन, एजेंसी।** पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

**इन अफगानों पर होगी कार्रवाई :** अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों को भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है।

**24 घंटे में 4,000 से ज्यादा लोगों को भेजा वापस :** पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पिछले सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना या बढ़वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमू टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान पत्रकार के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में रहने वाली एक अफगान पत्रकार ने कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद जो लोग पाकिस्तान आए थे, जो लोग 2021 के बाद पाकिस्तान में पनाह लेने आए, वे शरणार्थी हैं, सिर्फ प्रवासी नहीं। उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है।

## एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर वर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला।

कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

## ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुस्लिमों को बेचने पर विवाद, हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई; नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप

**लंदन, एजेंसी।** लंदन से 120 किमी दूर पीटरबरो में 40 साल पुराने मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की बिक्री को पर विवाद हो गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स को नीलामी के बाद एक मुस्लिम संस्था, यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन, को बेचने का फैसला किया है। इसी परिसर में भारत हिंदू समाज का मंदिर चलता है, जो शहर और आसपास रहने वाले हजारों हिंदुओं का प्रमुख पूजा और सांस्कृतिक केंद्र है। फैसले से नाराज भारत हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बिक्री प्रक्रिया को चुनौती दी है। भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया। नीलामी के मूल्यांकन में भी गंभीर खामियां रहीं। बता दें कि फरवरी 2026 में हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए काउंसिल को बिक्री पूरी करने जैसे किसी भी कदम से रोक दिया था। अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि काउंसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और समानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं।

**मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू :** भारत हिंदू समाज का कहना है कि पीटरबरो का यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इलाके के 4,000 हिंदुओं का एकमात्र सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र भी है। यदि यह परिसर बंद होता है, तो हिंदुओं को पूजा-अर्चना व त्योहारों के लिए निकटतम मंदिर (कैंब्रिज-56 किमी) या (लेस्टर-64 किमी) का रुख करना पड़ेगा।

**घाटे के चलते बेचने पड़ रहे हैं परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व क्लब :** पीटरबरो का विवाद ब्रिटेन में अकेला नहीं है। यहां की काउंसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं। 2025 के 'की सिटीज' सर्वे में 60% काउंसिलों ने संपत्ति बिक्री को घाटा भरने का रास्ता बताया। बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंघम का 2025-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था।

**नीलामी में खामियां, समीक्षा बिना मंजूरी दी गई :** भारत हिंदू समाज का आरोप है कि बिक्री के दौरान दोनों पक्षों की बोलियों का ठीक मूल्यांकन नहीं हुआ। अदालत में संगठन ने कहा कि काउंसिल ने जांच और स्कोरिंग में गलतियां कीं। इसके बाद काउंसिल सदस्यों ने उन्हीं सिफारिशों को पड़ताल के बिना स्वीकार कर लिया।

# सऊदी अरब ने सना एयरपोर्ट पर बरसाईं मिसाइलें, ट्रंप के समर्थन के बाद हूतियों से सीधी भिड़ंत

**सना, एजेंसी।** मिडिल ईस्ट में तनाव अब केवल होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र में एक नया और विनाशकारी मोर्चा खुल गया है, जहां सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही एक-दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध की लपटें तेज हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, साल 2022 के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य टकराव है, जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष विराम के पूरी तरह टूटने का संकेत है।

**सना एयरपोर्ट पर हमला :** यह भीषण हमला उस वक्त हुआ जब ईरान की 'माहान एयरलाइंस' का एक विमान सना एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। सऊदी अरब ने हवाई पट्टी पर मिसाइलें दागकर विमान की लैंडिंग को रोकने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि यह उड़ान एक दशक से अधिक समय बाद तेहरान से सना के बीच संचालित की गई थी, जिसमें हूतियों का एक उच्च स्तरीय डेलिगेशन सवार था, जो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा था। सऊदी अरब को संदेह है कि ऐसी उड़ानों के जरिए ईरान हूतियों तक हथियार और सैन्य सलाहकार पहुंचा रहा है।

**डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी को खुला समर्थन :** इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कूटनीतिक हलचल भी तेज है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' की रिपोर्ट के अनुसार, हमले से पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर विस्तार से चर्चा की थी।

बताया जा रहा है कि क्राउन प्रिंस ने हूतियों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के लिए अमेरिका से सैन्य और कूटनीतिक समर्थन मांगा था, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। अमेरिका ने बताया है कि वह अपने सहयोगी सऊदी अरब के साथ खड़ा है, जिससे सऊदी के हौसले बुलंद हैं।

**हूतियों ने किया पलटवार :** सऊदी के मिसाइल हमले के जवाब में हूतियों ने भी चुप बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया है। हूतियों ने सऊदी अरब के विभिन्न ठिकानों पर जवाबी मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी है कि यदि उनके विमानों को रोका गया, तो वे सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब नागरिक उड़ानों को बाधित कर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

## बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरेध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

**जिन लोगों ने बनवाई सरकार, उनको ही लगी हथकड़ी :** अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रुकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं को हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालने शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। बालेन शाह ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ फूटा है और युवा सड़कों पर उतर आए हैं। लोग बालेन शाह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

रविवार को बड़ी संख्या में लोग काठमांडू के माइतीघर में इकट्ठा हुए थे। लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की पुलिस ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी और सरिश्मा थापा को हिरासत में ले लिया। इसके बाद लोगों का रोष और भी बढ़ गया। बालेन शाह काठमांडू के मेयर भी रह चुके हैं। तभी से उनकी निगाह में यह काम चढ़ा हुआ था।

# अरब सागर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अमेरिकी पायलट की मौत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अरब सागर में जुलाई की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में नौसेना के एक पायलट की मौत हो गई। अब ईरान युद्ध में मरने वाले अमेरिकी सैन्य कर्मियों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। सोमवार तक संघर्ष में घायल सैनिकों की संख्या भी बढ़कर 400 से अधिक हो गई है।

**नौसेना ने क्या बताया :** अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि उनमें से अधिकांश को मस्तिष्क में गंभीर चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरू में 1 जुलाई की दुर्घटना को आपातकालीन लैंडिंग बताया और कहा कि 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आपात स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण हुई थी। दुर्घटना के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार बाकी तीन नाविकों को बचा लिया गया।

पेंटागन के युद्ध हताहतों की गिनती में जुलाई में एक गैर-शत्रुतापूर्ण मौत दर्ज की गई। मार्च में युद्ध की शुरुआत में अलग-अलग घटनाओं में 13 सैन्यकर्मियों की मौत के बाद यह पहली मौत है जिसे दर्ज किया गया है। पहली घटना कुवैत में एक कमांड सेंटर पर ईरानी ड्रोन हमले की थी जिसमें छह सैनिक मारे गए थे। इसके बाद सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए हमले में घायल होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद एक सैनिक की मौत हो गई। इराक में ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में सहायता कर रहे एक चष्ट-135 ईंधन भरने वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह और सैनिक मारे गए।

**कितने सैनिक घायल हुए :** सोमवार को घायल हुए अमेरिकी वायु सेना के एक जवान समेत कुल 414 सैन्यकर्मी घायल हुए हैं। ईरान और अमेरिका ने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसी वजह से वायुसैनिक घायल हुआ है।

**अधिकांश चोटों को कारण क्या है :** अमेरिकी केंद्रीय कमान ने उस खास वायुसैनिक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन युद्ध में होने वाली अधिकांश चोटों का कारण बनने वाली मस्तिष्क की गंभीर चोटें, लड़ाकू बलों, विशेष रूप से मिसाइल हमलों और पास में होने वाले विस्फोटों का सामना करने वाले बलों के बीच एक बढ़ती हुई समस्या है। हालांकि इस चोट के साथ ही साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, 9/11 के बाद के युग के दिग्गजों के बीच प्रमुख घावों में से एक बन गई है, लेकिन सैनिकों पर इसका प्रभाव, विशेष रूप से दीर्घकालिक, अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। घायल सैनिकों के नए आंकड़ों के बारे में क्या बताया? सोमवार को गंभीर रूप से घायल सैनिकों के नवीनतम आंकड़ों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की प्रवक्ता मेजर एम्मा थॉम्पसन ने कहा कि उनके पास कोई अपडेट नहीं है। उन्होंने दोहराया कि घायल सैनिकों में से लगभग सभी ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कितने सैनिक इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें क्षेत्र से निकालने की आवश्यकता पड़ी है।

# दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

### एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

### टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

### थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

### ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

### युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

# श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागजी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

# मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

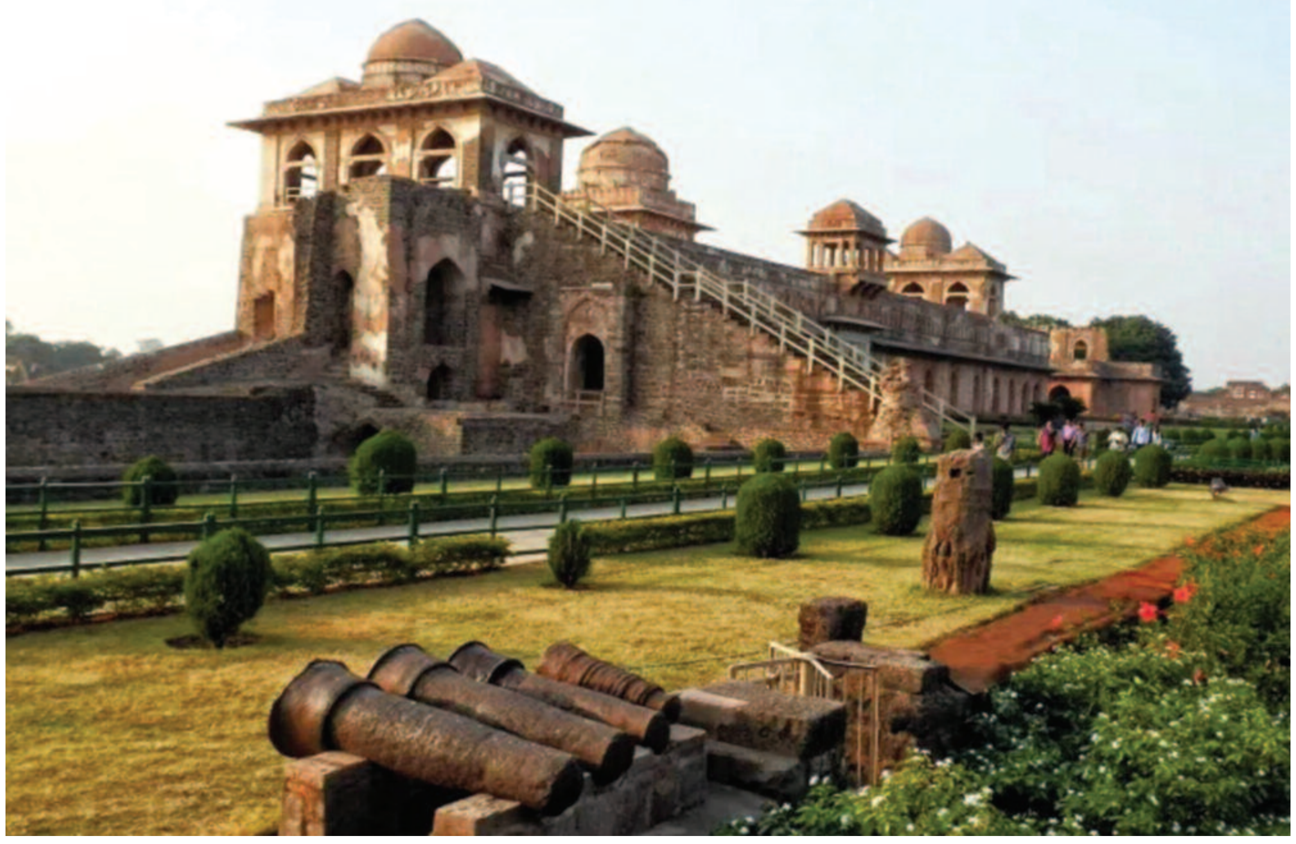

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

### मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति- विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे- इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

### मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों- कपूर तालाब और मुंज तालाब- के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

### मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

### कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन: इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

### ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

### यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है- प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

# मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

### महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

### लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

### अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

### मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

### चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

# राज्य लोक सेवा आयोग को मिला नया स्थायी अध्यक्ष

देहरादून। ले. जनरल गजेंद्र जोशी (सेनि.) उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। उनके साथ ही डॉ.हेमचंद्र पांडे को आयोग में सदस्य नियुक्त किया गया है। आयोग में स्थायी अध्यक्ष की कुर्सी जून 2023 से खाली थी। राज्य लोक सेवा आयोग के पास अहम भर्तियों की जिम्मेदारी है लेकिन साल–दर–साल यहां अध्यक्ष व सदस्यों की कुर्सी खाली होती चली गई।

इस कारण भर्तियों पर भी असर पड़ रहा था। आयोग बहुत महत्वपूर्ण फैसले नहीं ले पा रहा था। अमर उजाला ने 28 मई के अंक में प्रमुखता से यह मुद्दा उठाया था। आखिरकार शासन में फाइल चल निकली और आयोग अध्यक्ष व सदस्य पद पर तैनाती कर दी गई।

## अदालती सूचना

**न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।**

वाद सं0-09/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री मंगल सिंह पुत्र श्री बुथाड सिंह, 2- श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री बाल सिंह, 3- श्री नन्दन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, 4- श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, 5- सदुली देवी पत्नी श्री हरी सिंह, 6- श्री राजे सिंह पुत्र श्री दौलत सिंह, 7- श्री ठाकूर सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 8- श्री पप्पू सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 9- श्री शैलेन्द्र सिंह पुत्र बचन सिंह, 10- श्रीमती आनन्दी देवी पत्नी श्री बचन सिंह, 11- श्री हीरा सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 12- श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 13- श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 14- श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 15- श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 16- श्री रवीन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 17- श्री जीतेन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 18- श्रीमती भागीरथी देवी पत्नी श्री मान सिंह, 19- श्री आनन्द सिंह पुत्र श्री कुंवर सिंह, 20- श्री हरक सिंह पुत्र श्री कुंवर सिंह, 21- श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री धन सिंह, 22- श्री भगवान सिंह पुत्र श्री धन सिंह, 23- केदरी देवी पत्नी श्री धन सिंह, 24- चनुली देवी पत्नी श्री केशर सिंह समस्त निवासीगण ग्राम- भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3 तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-19 कुल रक्वा 0.591के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0562/17)

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-06/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री राजे सिंह पुत्र श्री दौलत सिंह, 2- श्री ठाकूर सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 3- पप्पू सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 4- शैलेन्द्र सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 5- आनन्दी देवी पत्नी श्री बचन सिंह, 6- हीरा सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 7- सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 8- श्री बलवन्त सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 9- श्री महेन्द, सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 10- श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री पान सिंह, 11- रवीन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 12-श्री जीतेन्द्र सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 13- भगीरथी देवी पत्नी श्री मान सिंह समस्त निवासी ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढवाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-21 कुल रक्वा 0.310 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0563/17)

# मालिनी वैली कॉलेज में चला पौधा रोपण अभियान, विद्यार्थियों ने लिया संरक्षण का संकल्प

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** मालिनी वैली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बुधवार को पौधा रोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उनकी देखभाल का संकल्प लिया। अभियान का नेतृत्व कॉलेज के अध्यक्ष योगम्बर सिंह ने किया। कॉलेज की निदेशिका श्वेता रावत ने विद्यार्थियों को पौधा रोपण के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि पर्यावरण के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। प्रभारी प्राचार्या डॉ. प्रभा जोशी ने हरेला पर्व के इतिहास, सांस्कृतिक महत्व और उत्तराखंड की लोक परंपराओं की जानकारी दी। वहीं, प्रकाश चंद्र ने विद्यार्थियों से समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापिका नूतन कुकरेती ने हरेला और प्रकृति संरक्षण पर आधारित पारंपरिक गढ़वाली लोकगीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने आम, अमरूद सहित करीब 60 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर नीलम बिष्ट, मानसी, शकुंतला सहित कॉलेज के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# भाबर में बनेगा आधुनिक इंडोर स्टेडियम, 7.86 करोड़ की स्वीकृति

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के भाबर में आधुनिक इंडोर स्टेडियम निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राज्य सरकार ने स्टेडियम निर्माण के लिए 7.86 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने इसे क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

ऋतु खंडूडी भूषण ने बताया कि शासन की स्वीकृति के अनुसार परियोजना का निर्माण कार्य उत्तराखंड पेयजल संसाधन एवं निर्माण विकास निगम (खेल इकाई), देहरादून के माध्यम से कराया जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद अब निर्माण कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक इंडोर स्टेडियम बनने से भाबर सहित पूरे कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को निखरने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए उपयुक्त वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। कोटद्वार विधानसभा में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं के साथ खेल अवसंरचना के विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि इंडोर स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के बेहतर अवसर मिलेंगे और कोटद्वार विधानसभा खेल गतिविधियों के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगी।

## सीएचसी हिंडोलाखाल में फिजीशियन की तैनाती

श्रीनगर गढ़वाल : ब्लॉक मुख्यालय हिंडोलाखाल स्थित सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाएं धीरे-धीरे सुदृढ़ हो रही हैं। अब शासन ने सीएचसी हिंडोलाखाल में फिजीशियन के पद पर डॉ. शैलेंद्र बिजल्वाण की तैनाती के आदेश दिए हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने सूबे के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल से मुलाकात कर सीएचसी में फिजीशियन न होने से मरीजों को हो रही दिक्कतों से अवगत कराया था। मंत्री सुबोध उनियाल के प्रयासों और जनभावनाओं के दबाव के बाद शासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। दरअसल यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण हिंडोलाखाल क्षेत्र के लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी ऋषिकेश, देहरादून या श्रीनगर के चक्कर काटने पड़ते हैं।

वर्तमान में इस सीएचसी में कुल सात मेडिकल ऑफिसर तैनात हैं।

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-04/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री देव सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, 2- श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, 3- श्री सते सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, 4- श्री भवान सिंह पुत्र श्री दिवाना सिंह, 5- श्री गबर सिंह पुत्र श्री दिवान सिंह, 6- श्री शौकिन सिंह पुत्र श्री मंगल राम, 7- श्री शिशुपाल सिंह पुत्र श्री मंगल राम, 8- श्री मदन सिंह पुत्र श्री मंगल राम, 9- श्री आनन्द सिंह पुत्र श्री श्याम सिंह, 10- श्री पूरण सिंह पुत्र श्री हर सिंह, 11- श्री धीरज सिंह पुत्र श्री ठाकूर सिंह, 12- बसन्ती देवी पत्नी श्री ठाकूर सिंह, 13- हीरा देवी पत्नी श्री हर सिंह समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-12 कुल रक्वा 0.612 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0560/17)

## अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी / श्रीमान असि0 कलेक्टर थलीसैण, गढ़वाल।

वाद सं0-07/2025-26

अर्न्तगत धारा-176 जमी0 विनाश एवं भूमि सुधार अधि0

ग्राम का नाम–भैडगांव, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैण, जिला पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

वादी - योगेश गोयल पुत्र श्री राजेश गोयल निवासी मेरठ, उ0 प्र0 अधिकृत प्रतिनिधी मैर्सस वासुवास, मेरठ, उ0 प्र0।

बनाम

प्रतिवादीगण-1- श्री बचे सिंह पुत्र श्री मान सिंह, 2- श्री धन सिंह पुत्र श्री हर सिंह निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3,तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

2- समस्त निवासीगण ग्राम भैडगांव मल्ला, पट्टी चौथान-3, थलीसैण, जनपद गढ़वाल वजरिये ग्राम प्रधान ग्राम सभा भैडगांव, तहसील थलीसैण, जनपद गढ़वाल।

सर्व साधारण एवं प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि :–

उपरोक्त वाद में वादी योगेश गोयल ने आपके विरूद्ध ग्राम भैडगांव, चौथान में स्थित कृषि भूमि गाटा सं0/खसरा संख्या-22 कुल रक्वा 0.123 के अपने हिस्से के विभाजन कुर्रा/ बंटवारा हेतु एक वाद अर्न्तगत धारा 176 ज0 वि0 एवं भूमि सुधार अधि0 के अर्न्तगत न्यायालय में योजित किया है।

न्यायालय द्वारा आपके पूर्व पते पर नोटिस निर्गत किये गये है। जिसे कि कतिपय प्रतिवादीगण पर तामीली सामान्य रूप से संभव नहीं हो पायी है।

अतः इस सार्वजनिक, सूचना / अखबार प्रकाशन के माध्यम से आपको आदेशित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 30.07.2026 को प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष / आपत्ति प्रस्तुत करें।

यदि आप नियत तिथि व समय पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। और आपकी अनुपस्थिति में वाद का निस्तारण किया जायेगा। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

आज दिनांक 14-7-2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

**पीठासीन,**
**असि0 कलेक्टर प्र0श्रेणी**
**थलीसैण, पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**
(0564/17)

# जनता की सेवा ही सरकार का धर्म, हर जरूरतमंद तक पहुंच रहा प्रशासन : धामी

**जयन्त प्रतिनिधि। चमोली :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोपेश्वर स्थित पुलिस मैदान में 'सेवा, सुशासन एवं समर्पण' सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगवाना नहीं, बल्कि प्रशासन को स्वयं जनता के द्वार तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के प्रथम चरण में प्रदेशभर में छः लाख से अधिक लोगों ने भागीदारी की तथा 60 हजार से अधिक लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

कहा कि राज्य सरकार सेवा, सुशासन एवं समर्पण के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार जनता के बीच पहुंचकर अपनी जवाबदेही निभा रही है। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत चमोली जनपद में अब तक 13 जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें हजारों लोगों ने भागीदारी की है। अब तक 752 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 683 का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा 2500 से अधिक लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। चमोली जनपद के विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में जिले में हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। बदरीनाथ धाम, माणा, नीति एवं आसपास के क्षेत्रों में मास्टर प्लान के अंतर्गत व्यापक कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज भी 155 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 63 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया, जो जनपद के विकास को नई दिशा देंगे। इस दौरान चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, नगर पालिका परिषद चमोली गोपेश्वर अध्यक्ष संदीप रावत, नगर पालिका परिषद कर्णप्रयाग अध्यक्ष गणेश शाह, महिला आयोग उपाध्यक्ष चंद्रकला तिवारी, राज्य मंत्री हरक सिंह, रामचंद्र गौड़, बलवीर घुनियाल, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती,जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद कनवासी, दलवीर दानू, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर जताई चिंता

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने बुधवार को राजकीय बेस चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत कर समस्याओं की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों का हालचाल जाना और उपचार के दौरान आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा ओपीडी पर्ची काउंटर और बिल भुगतान काउंटर पर लगी लंबी कतारों का भी जायजा लिया।

तीमारदारों ने बताया कि ओपीडी पर्ची काउंटर पर दो कर्मचारी तैनात हैं, जबकि बिल भुगतान काउंटर पर केवल एक कर्मचारी होने से पुरुष और महिलाओं की लंबी लाइन लग जाती है। इससे समय पर पर्ची और बिल की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती और मरीजों को चिकित्सकों को दिखाने में देरी होती है। लोगों ने बिल भुगतान काउंटर पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करने की मांग की। सुरेंद्र सिंह नेगी ने यह मुद्दा प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. विजय सिंह के समक्ष उठाया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से मोबाइल फोन पर वार्ता कर अस्पताल की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बेस चिकित्सालय में स्वीकृत चिकित्सकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, अतिरिक्त बिल भुगतान काउंटर शुरू करने, प्रस्तावित बर्न यूनिट की स्थापना तथा लंबे समय से बंद पड़े आईसीयू को पुनः संचालित करने की मांग की। इस अवसर पर हिमांशु बहुखंडी, अंकुश घिल्डियाल, शुभम सुयाल, भास्कर प्रजापति, राजा आर्य, अमित राज सिंह, मनदीप, नीरज बहुगुणा और पार्षद सूरज प्रसाद कांति सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## संयुक्त छात्र परिषद ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा व शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्तियों की सीबीआई जांच न कराए जाने पर एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के संयुक्त छात्र परिषद ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने आशंका जताई कि विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लीक करने की कोशिश की गई है। उन्होंने अन्य कई मांगें भी उठाईं। कहा यदि मांगों पर विवि ने तत्काल सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो उग्र आंदोलन करेंगे।बिड़ला परिसर स्थित छात्र संघ भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट व महासचिव अनुरोध पुरोहित ने कहा कि विवि में लगातार अनियमितताएं पाई जा रही हैं। विवि प्रशासन लगातार छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश करा रहा है। जल्द ही नियुक्तियों व अन्य मामलों को दस्तावेजों के साथ उजागर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में धांधली की आशंका को देखते हुए विवि को इस मामले में उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए। जिन अधिकारियों की ओर से परीक्षा हाल में फोन ले जाए गए उन पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग न करने, शोधार्थियों के लिए एकेडमिक माहौल बनाने, फीस वृद्धि वापस लेने, नई बसें उपलब्ध कराने, बसों के रख-रखाव पर ध्यान देने, खेल की सुविधाएं छात्रों को दिए जाने की मांग भी की गई।

## महंत रवींद्र पुरी ने ली पुजारियों की तलाशी

देहरादून,भारतीय अखाड़ा परिषद और मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने मां मनसा देवी मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी पुजारियों की तलाशी भी ली और उन्हें कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि मंदिर में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं,

# गैस आपूर्ति व्यवस्था ध्वस्त, कई उपभोक्ता लौटे खाली

उत्तरकाशी। विकासखंड डुंडा के कमद क्षेत्र में रसोई गैस की आपूर्ति एक बार फिर अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई। सिलिंडर का ट्रक गांव तक पहुंचने के बावजूद दर्जनों उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर नहीं मिल सका जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। घंटों इंतजार के बाद कई परिवारों को बिना सिलिंडर के ही लौटना पड़ा।

ग्राम प्रधान कमद भरत सिंह चौहान ने बताया कि कमद क्षेत्र सात गांवों का प्रमुख वितरण केंद्र है जहां हर बार बड़ी क्षमता वाला ट्रक भेजा जाता था। इससे अधिकांश उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलिंडर मिल जाते थे लेकिन इस बार विभागीय एजेंसी ने छोटे वाहन से गैस आपूर्ति कराई जिससे सिलिंडरों की संख्या जरूरत के मुकाबले काफी कम रही। परिणाम स्वरूप दर्जनों उपभोक्ता गैस से वंचित रह गए।

ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में गैस सिलिंडर ही भोजन बनाने का मुख्य साधन है। ऐसे में

समय पर गैस नहीं मिलने से परिवारों के सामने भोजन पकाना मुश्किल हो गया है। कई लोगों को अब अगले वितरण का इंतजार करना पड़ेगा जबकि उनके घरों में गैस पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।


## उत्तर रेलवे

निविदा सूचना स०: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-06 दिनांकः 14.07.2026

| | |
|---|---|
| विभाग :– | Electrical (TRD) |
| टेंडर न.:– | T-04-TRD-MB-26-27 |
| कार्य का नाम :– मुरादाबाद मंडल में देहरादून स्टेशन के उन्नयन और रायवाला स्टेशन पर एफ०ओ०बी० के लिए रैंप कि व्यवस्था के अनुसार टी०आर०डी० का कार्य। | |
| निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समयः– | 05.08.2026, 15:00 Hrs |
| कार्य की अनुमानित लागत (₹):– | ₹ 47,81,014.72 /– (GST@18% सहित) |
| बिड सिक्यूरिटी राशि (₹):– | ₹ 95,600 /– |
| निविदा प्रपत्र मूल्य (₹):– | NIL |
| ऑफर की वैधता (दिन):– | 60 दिन |
| कार्य पूरा करने की अवधिः– | 4 माह |
| वेबसाइट एवं कार्यालय का पता | www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad. |

2437/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## उत्तर रेलवे
### निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 14.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/॥ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| टेन्डर संख्या दिनांक | 128-DRM-MB-26-27 Date 14.07.2026 | 129-DRM-MB-26-27 Date 14.07.2026 | 130-DRM-MB-26-27 Date 14.07.2026 | 131-DRM-MB-26-27 Date 14.07.2026 |
|---|---|---|---|---|
| कार्य का नाम | General annual repair work of residential building etc. from km 1081 to 1186 from AMG (Excl.) to KUF (incl) wood work and road work etc. for 2026-2027 in the section of SSE/W/HRI under ADEN/I/HR | General annual repair works of service buildings, platforms, stations etc from km 1081 to 1188 from AMG (exl) to KUF (incl) wood work etc for 2026-2027 in the section of SSE/W/HRI under ADEN/I/HR | General annual repair work of service building and staff quarter from BLM (Incl.)- SPC(Excl.)-ON (Excl.) including wood and road etc. for 2026-2027 in the section of SSE/W/BLM under ADEN/II/HR | General annual repair work of service building and staff quarter from SPC-ROZA (Excluding ROZA) including wood and road work etc. for 2026-2027 in the section of SSE/W/SPC under ADEN/II/HR |
| टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय | 07.08.2026 16:00 | 07.08.2026 16:00 | 07.08.2026 16:00 | 07.08.2026 16:00 |
| अनुमानित लागत | 89,99,568.69 | 69,99,647.79 | 99,99,897.46 | 99,65,258.00 |
| धरोहर राशि | 1,80,000.00 | 1,40,000.00 | 2,00,000.00 | 1,99,300.00 |
| टेन्डर कॉस्ट | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| बिडिंग स्टार्ट तिथि | 24.07.2026 | 24.07.2026 | 24.07.2026 | 24.07.2026 |
| आफर की वैधता | 60 दिन | 60 दिन | 60 दिन | 60 दिन |
| कार्य पूर्ण करने की अवधि | 12 माह | 12 माह | 12 माह | 12 माह |

2425/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**जयन्त**

**संस्थापक :** नरेन्द्र उनियाल

**स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।**

**सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।**

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

# पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आईं जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट 122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

### टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

# केएल राहुल का शानदार कैच

### बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

# 968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

● जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

### भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

- मोहम्मद शमी: 80वां मैच
- कुलदीप यादव: 88वां मैच
- जसप्रीत बुमराह: 90वां मैच
- अजीत अगरकर: 97वां मैच
- जहीर खान: 103वां मैच

### सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

- 4070 गेंद: मोहम्मद शमी
- 4513 गेंद: कुलदीप यादव
- 4605 गेंद: जसप्रीत बुमराह
- 5027 गेंद: अजीत अगरकर
- 5131 गेंद: इरफान पठान

### इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

- 31 विकेट: जसप्रीत बुमराह*
- 30 विकेट: रविंद्र जडेजा
- 28 विकेट: भुवनेश्वर कुमार
- 27 विकेट: मदन लाल
- 26 विकेट: मोहम्मद शमी

### 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

# पीवी सिंधु की दमदार जीत

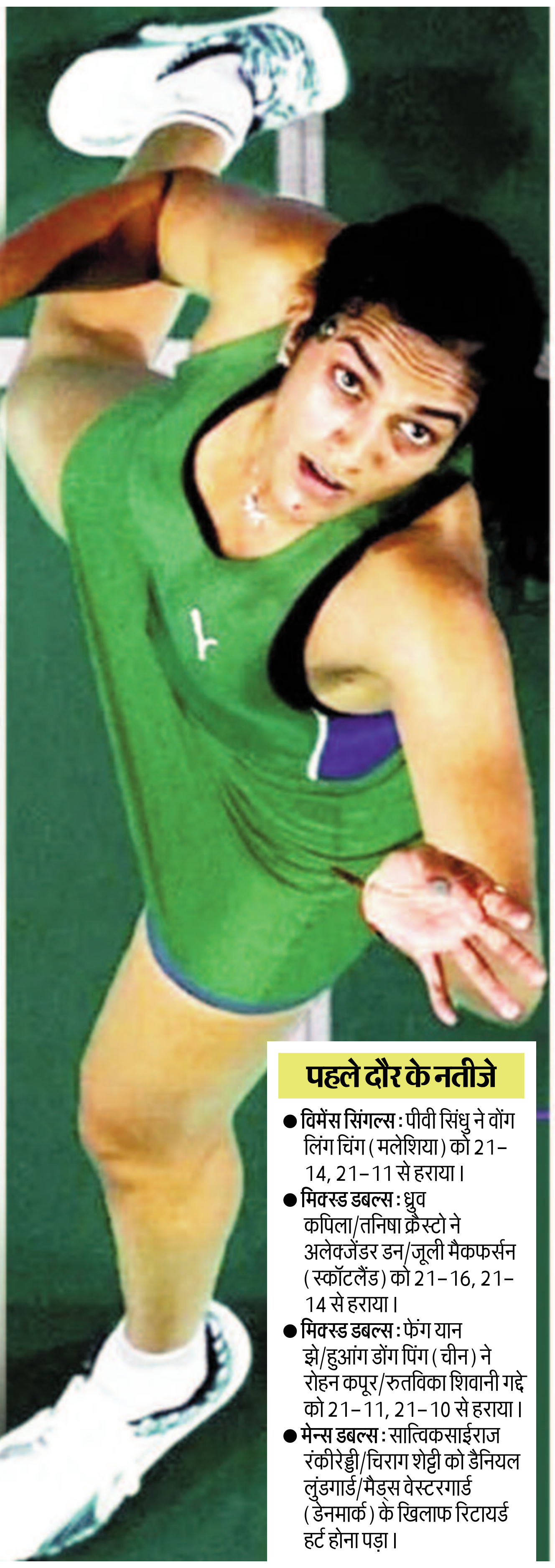

### सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

### सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

### शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

### पहले दौर के नतीजे

- **विमेंस सिंगल्स:** पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स:** ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
- **मिक्स्ड डबल्स:** फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
- **मेन्स डबल्स:** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

# स्पेन ने फ्रांस को हराया

● 16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

### दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

- **स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल-** सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

● बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत ● सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

# अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकी पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

### 12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, क्ष्ष्ट्ढ को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

## शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

### 80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता

### शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।